जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 29 संख्याः 334 प्रभात उदयपुर, गुरुवार 6 अक्टूबर, 2022 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

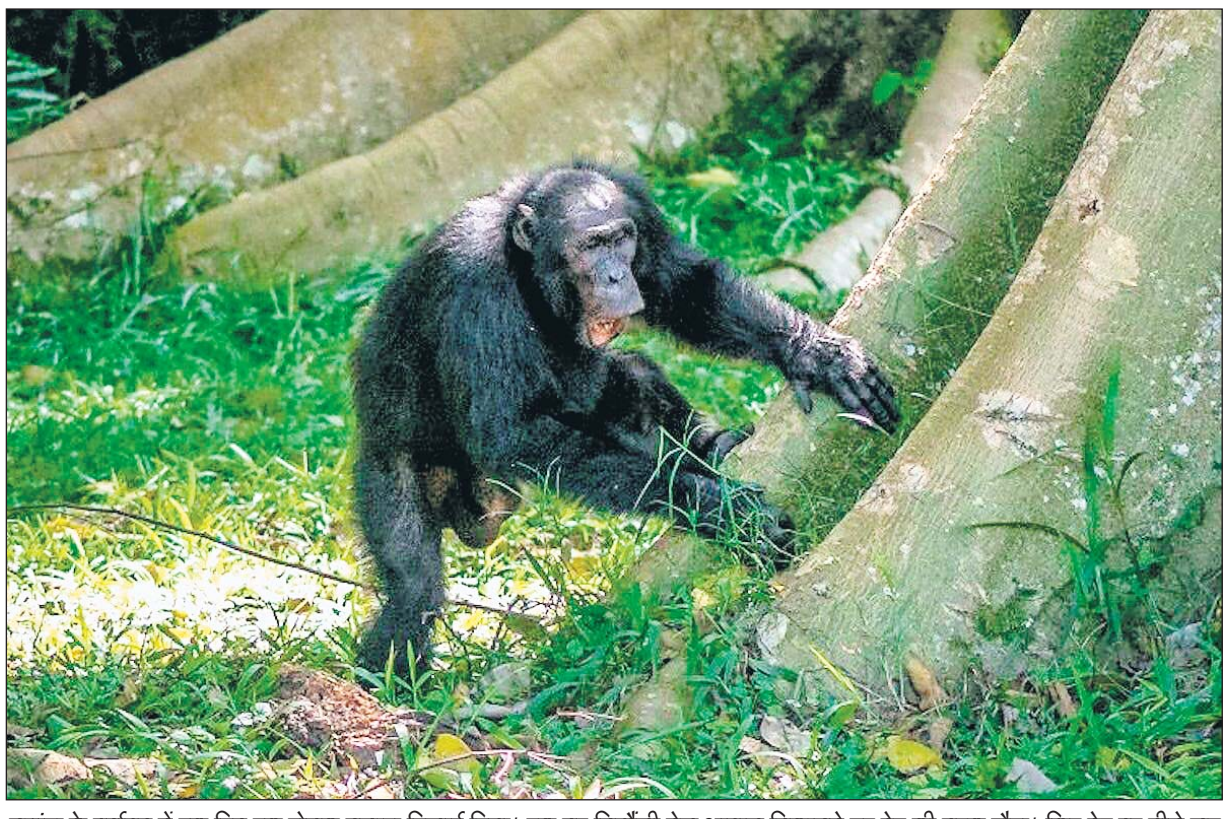

युगांडा के वर्षावन में एक दिन एक रोचक नजारा दिखाई दिया। एक नर चिम्पैंज़ी तेज आवाज निकालते हुए पेड़ की तरफ दौड़ा। फिर पेड़ पर नीचे जड़ की तरफ अपने पैरों से रिद्म के साथ प्रहार करने लगा। स्कॉटलैंड में युनिवर्सिटी ऑफ सेंट एंड्रूज़ की प्राइमटॉलजिस्ट कैथरीन होबेटर ने बताया कि, ''जब आप हाथ या पैर से जड़ पर जोरदार प्रहार करते हैं तो गहरी गूंजती हुई आवाज निकलती है, जो जंगल में दूर तक सुनाई देती है।'' वैज्ञानिक चिम्पैंज़ी के ड्रम बजाने जैसे व्यवहार के बारे में वर्षों से जानते हैं लेकिन हाल ही में एनिमल बिहेवियर जर्नल में छपे एक शोध में बताया गया है कि, हरेक नर का ड्रम बजाने का अपना विशिष्ट तरीका होता है और इसका इस्तेमाल वो सूचना देने के लिए करता है, जैसे कि वो कहां है और क्या कर रहा है। रिसर्च टीम ने 8 चिम्पैंज़ी के बीच के लम्बी दूरी के 273 संवाद रिकॉर्ड किए। उन्होंने चिम्पैंज़ी द्वारा बजाए गए ड्रम की अकूस्टिक संरचना का विश्लेषण किया, और उनकी अवधि, बीट्स की संख्या, दो बीट्स के बीच का समय आदि का अध्ययन किया। उन्होंने पाया कि, चिम्पैंज़ी जब यात्रा कर रहे होते हैं या जब छोटे-छोटे समूहों में होते हैं तब ही ड्रमिंग करते हैं। यात्रा के दौरान ड्रमिंग दो चिम्पैंज़ी के बीच के अन्तर को बताती है और ये आवाज़ें दूरस्थ समूह के सदस्यों को सम्पर्क करने का संदेश देने के लिए भी हो सकती हैं। मुख्य शोध लेखक, युनिवर्सिटी ऑफ विएना की वैज्ञानिक वेस्ता एलोतेरी ने कहा, ''संक्षेप में यह व्यवहार चिम्पैंज़ी के सोशल मीडिया की तरह है। हमने यह भी पाया कि चिम्पैंज़ी जब अकेले होते हैं या छोटे समूह में होते हैं तब ड्रम ज्यादा बजाते हैं शायद वे दूसरों को आमंत्रित करते हैं। इसी प्रकार जब वे यात्रा नहीं कर रहे होते हैं या अकेले होते हैं तब अपनी विशिष्ट ध्वनि नहीं बजाते, क्योंकि तब वे अपनी पहचान छुपा लेना चाहते हैं। इस नए शोध से यह रहस्य सुलझाने में मदद मिलेगी कि एक दूसरे से मिलने पर चिम्पैंज़ी अभिवादन क्यों करते हैं और अलग होने पर गुडबाय क्यों नहीं करते।

राष्ट्रपति शी अपने आपको ''चेयरमैन'' का ओहदा देंगे, पार्टी की राष्ट्रीय कांग्रेस में

यह ओहदा पहले, आधुनिक चीन की स्थापना करने वाले जन नेता माओ को ही मिला था, 1976 में उनके स्वर्गवास होने तक तथा 1982 में यह पद खत्म कर दिया गया थाजाने माने

- उस समय चेयरमैन को काफी व्यापक अधिकार प्राप्त थे, जैसे चीन की सेना का कमाण्ड।
- माओ के समय, चीन में ''माओ के विचार'' नाम से माओ की फिलॉसफी व सोच का संग्रह ''रैड बुक'' के रूप में अधिकृत रूप से प्रचारित व प्रकाशित की जाती थी।
- उसी तर्ज पर अब ''शी जिंगपिंग के विचार'' प्रकाशित किये गये हैं। तथा स्कूलों, अखबारों में, टेलीविजन पर, इंटरनैट पर, होर्डिंग्स व बैनर-पोस्टर के माध्यम से प्रसारित किये जा रहे हैं।
- राष्ट्रपति शी प्रारंभ से ही माओ की पर्सनल ब्राण्ड वाली राजनीतिक सोच के कट्टर अनुयायी हैं और अब चीन के आर्थिक रूप से सशक्त बनने के बाद, राष्ट्रपति शी ने नारा दिया है कि, चीन समूह ही नई राजनीतिक व सैन्य तैयारी की दृष्टि से विश्व का ''नम्बर वन'' देश होना चाहिये।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। आगामी 16 अक्टूबर को चीन के राष्ट्रपति शी जिंनपिंग चेयरमैन का तमगा हासिल कर लेंगे और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की 20वीं राष्ट्रीय कांग्रेस में वे पार्टी पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लेंगे।

मीडिया रिपोर्ट कहती है कि नैशनल कांग्रेस में राष्ट्रपति शी जिंनपिंग तीसरी बार 5 साल का कार्यकाल हासिल करेंगे और स्वयं के लिए माओ युग के टाइटल ''चेयरमैन'' को पुनर्जीवित करेंगे और पार्टी में स्वयं के लिए आजीवन सर्वोच्च पद हासिल कर लेंगे। इसके लिए संविधान के संशोधन करेंगे और राष्ट्रपति के लिए कार्यकाल पर लगी सीमा खत्म कर देंगे।

इसी बीच यह खबरें भी मिल रही हैं कि माओ शैली का व्यक्तिवाद पनप रहा है। संस्थाएं और राजनैतिक व्यक्ति शी के प्रति पूर्ण निष्ठा घोषित कर रहे हैं। शी खुद भी माओ के शिष्य रहे हैं और उनकी विचारधारा पर चलते हैं।

माओ के पास चेयरमैन टाइटल था, जिसे आधुनिक चीन का जनक माना जाता है वह आजीवन 1976 में अपनी मृत्यु तक चेयरमैन रहा था। वर्ष 1982 में इस टाइटल को खत्म कर महासचिव टाइटल लाया गया। उस समय संविधान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गठन के बाईस साल बाद टी.आर.एस., बी.आर.एस. में परिवर्तित

तेलंगाना के मु.मंत्री के.सी.आर. ने अपनी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा की यात्रा में पहला ठोस कदम उठाया

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव ने आज पूर्व निर्धारित मुर्हूत, अपरान्ह 1:19 बजे अपने क्षेत्रीय राजनैतिक दल ''तेलगांना राष्ट्र समिति'' को एक राष्ट्रीय राजनैतिक दल का स्वरूप दे दिया तथा उसका नाम बदलकर ''भारत राष्ट्र समिति'' कर दिया। यह घोषणा उन्होंने आज हैदराबाद में आयोजित एक विशेष समारोह में की। बड़ी धूमधाम के साथ आयोजित इस भव्य समारोह में उनकी पार्टी के नेताओं के अलावा, कई विशेष आमंत्रित राजनैतिक हस्तियाँ मौजूद थीं, जिनमें शामिल थे- कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी तथा तमिल क्षेत्रीय दल, ''विदुथलाई चिरुतेगल काची (वी.सी.के.) नेता तोल तिरुमवलानन।

अपनी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं तथा खासतौर से, 2024 के लोकसभा चुनावों में मोदी सरकार को बेदखल करने के दृढ़ निश्चय की घोषणा करते हुये, के.सी.आर. (तेलंगाना-मुख्यमंत्री इसी नाम से प्रसिद्ध हैं) ने कहा कि वे विपक्ष को एकजुट करके अपनी योजना तथा रणनीति का खुलासा करेंगे। अपनी योजना के प्रमुख बिन्दुओं के अनुसार, के.सी.आर. विकास के ''तेलंगाना मॉडल'' को सारे देश में पहुँचाना चाहते हैं तथा पूरे भारत में इसे क्रियान्वित करने के अवसर की तलाश में हैं।

- के.सी.आर. ने 2019 में भी गैर भाजपा, गैर कांग्रेस मंच का गठन किया था। पर, उनको विपक्ष का भारी समर्थन नहीं मिला था, क्योंकि तब वे कांग्रेस को इस मंच से जोड़ने के सख्त खिलाफ थे।
- उनके कांग्रेस विरोधी इस रवैये के कारण विपक्ष में यह भावना भी फैली थी कि, कहीं के.सी.आर. भाजपा के पक्ष में खेल तो नहीं खेल रहे हैं।

के.सी.आर. ने 2019 में भी राष्ट्रीय स्तर पर एक ग़ैर-भाजपा एवं ग़ैर-कांग्रेस मोर्चा बनाने की कोशिश की थी, लेकिन उस समय उनकी इस पहल को स्वीकार एवं अंगीकार करने वाला शायद कोई नहीं था। उस समय, कुछ राजनैतिक दलों को यह संदेह पीड़ा पहुँचा रहा था कि शायद के.सी.आर. विपक्षी एकता को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं तथा कुछ नेताओं ने उनके इरादों को संदेह की नजर से देखा था। उन लोगों का संदेह यह था कि वे भाजपा के इशारे पर यह खेल खेलने की कोशिश कर रहे हैं।

लेकिन चूँकि अब भाजपा ने तेलंगाना में के.सी.आर. तथा उनकी पार्टी को परेशान करने के कदम उठाना शुरु कर दिया है, तो अब यह लग रहा है कि के.सी.आर. भाजपा का सामना करने के अपने प्रयासों को लेकर वास्तव में कुछ गंभीर है। लेकिन अब भी कुछ राजनैतिक पर्यवेक्षेक ऐसे हैं जो तेलंगाना के इस क्षेत्रीय राजनेता के असली इरादों पर संदेह कर रहे है, क्योंकि वे लगातार कांग्रेस-रहित विपक्ष की बात करते आ रहे हैं।

जब तक, कांग्रेस सहित, समूचा विपक्ष एकजुट नहीं हो जाता, तब तक किसी भी चुनावी लड़ाई में भाजपा का सामना कर पाना मुश्किल होगा- यह एक जमीनी वास्तविकता है और इस बात को के.सी.आर. भी अच्छी तरह समझते हैं क्योंकि यह सामान्य गणितीय हिसाब-किताब है। के.सी.आर. तथा पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी- दोनों ही कांग्रेस से कोई लेना-देना रखने के विरोधी के रूप में देखे जाते हैं।

और विपक्ष के गठजोड़ को बलपूर्वक खोल देने में, उसे अलग-अलग कर देने में ही, भाजपा के लिये अवसर अन्तर्निहित है। के.सी.आर. ने विपक्षी एकता की दिशा में कोशिश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीनी का निर्यात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (वार्ता)। देश से चीनी सत्र (अक्टूबर-सितंबर) 2021-22 में 109.8 लाख मिट्रिक टन (एलएमटी) का रिकॉर्ड उच्चतम चीनी का निर्यात हुआ जिससे लगभग 40,000 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा अर्जित की गयी।

उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि चीनी सत्र के दौरान 5000 एल.एम.टी. से अधिक गन्ने का उत्पादन हुआ है, जिसमें से लगभग 3574 एलएमटी गन्ने को चीनी मिलों ने संवर्धित कर करीब 394 लाख टन चीनी (सुक्रोज) का उत्पादन किया है। इसमें से 35 एल.एम.टी. चीनी का इस्तेमाल एथनॉल तैयार करने में और शेष का मिलों द्वारा 359 लाख टन चीनी का उत्पादन किया गया।

- इस वर्ष 109.8 लाख मीट्रिक टन चीनी का निर्यात किया है भारत ने, जिससे देश को 40 हजार करोड़ रु. की आय हुई है।

मंत्रालय ने कहा कि, भारत अब दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक

दशहरे पर संघ प्रमुख भागवत ने अपने उद्बोधन में मुसलमानों को आश्वस्त किया

'हिन्दुओं के संगठित होने से मुसलमानों में असुरक्षा की भावना फैलाने की खबर फिजूल की बात है'

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत आज बुधवार को अपने फिर उसी विचार बिन्दु पर लौट आये, जिस पर वे अपने दशहरा-संबोधन में प्रायः बोलते हैं- हिन्दू राष्ट्र की अवधारणा।

- भागवत ने यह भी कहा कि, हिन्दुओं ने कभी भी इतिहास में ऐसा कुछ नहीं किया, जिससे मुसलमानों में असुरक्षा की भावना फैले और न ऐसा कभी भविष्य में होगा। ऐसा सोच न तो संघ में है और न ही हिन्दुओं में।
- भागवत ने कहा, प्रबुद्ध व प्रभावशाली मुसलमानों ने उदयपुर व अमरावती में नूपुर शर्मा का समर्थन करने के कारण एक दर्जी व एक फार्मासिस्ट की नृशंस हत्या करने पर विरोध जताया था, पर यह एक अकेली घटना नहीं होनी चाहिये थी, बल्कि पूरे मुस्लिम समाज को एकजुट होकर विरोध जताना चाहिये था। भागवत के अनुसार कई हिन्दू संगठनों ने सख्त विरोध जताया है, जब भी किसी हिन्दू ने हिंसक घटना को अंजाम दिया है।

पिछले वर्षों में, भागवत बहुत से तत्कालीन एवं उस समय उभर रहे मुद्दों पर बोल चुके हैं लेकिन आज वे अपने प्रिय मुद्दों पर वापस लौट आये, जैसे- जनसंख्या-नियंत्रण की आवश्यकता तथा पाकिस्तान और चीन पर तीखे प्रहार। पिछले वर्ष के दशहरा संबोधन में उन्होंने देश में जनसंख्या-असंतुलन को लेकर गहरी चिन्ता व्यक्त की थी तथा अगले पाँच वर्ष के लिये जनसंख्या-नीति बनाने पर जोर दिया था। उससे एक साल पहले, उन्होंने इस बात को दोहराया था कि हिन्दुत्व एक धार्मिक विषय नहीं, एक जीवन-शैली है। 2019 में उन्होंने कहा था कि भारत एक हिन्दू राष्ट्र था तथा उन ''भारतीय पूर्वजों'' के वंशजों का ही भारत में रहने के लिये स्वागत है। 2018 में, उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण शुरु करने के लिये जल्दी से कानून लाने तथा उसका क्रियान्वयन करने पर जोर दिया था तथा उन लोगों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फर्जी नामों से उठाया 9.30 क्विंटल गेहूं

हनुमानगढ़, 5 अक्टूबर (कासं)। फर्जी तरीके से राशन कार्ड में 2 नाम जुड़वाकर खाद्य सुरक्षा योजना का अनुचित लाभ उठाने और राजकोष को हानि पहुंचाने का मामला सामने आया है। जिला रसद अधिकारी ऑफिस के प्रवर्तन अधिकारी विनोद कुमार मेघवाल ने जंक्शन पुलिस थाना में सुरेशिया गांव निवासी एक व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में मुकदमा दर्ज करवाया है।

- प्रवर्तन अधिकारी ने इस संबंध में स्थानीय व्यक्ति प्रदीप कुमार के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करवाया।

प्रवर्तन अधिकारी विनोद कुमार (36) पुत्र सतपाल मेघवाल, निवासी 6 डीबीएन, सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई और बताया कि प्रदीप कुमार पुत्र कृष्ण लाल कुम्हार, निवासी सुरेशिया के नाम बीपीएल

'झूठ बोला है तो कायम भी रहो उस पर ज़फ़र, आदमी को साहब-ए-किरदार होना चाहिए'

दिव्या मदेरणा की धारीवाल, जोशी, राठौड़ को सलाह

जयपुर, 5 अक्टूबर (का.प्र.)। ''झूठ बोला है तो क़ायम भी रहो उस पर ज़फ़र, आदमी को साहब-ए-किरदार होना चाहिए।'' मशहूर शायर ज़फ़र इकबाल के इस शेर के साथ विधायक दिव्या मदेरणा ने राजस्थान के संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल, मुख्य सचेतक महेश जोशी और राजस्थान टूरिज़्म डवलपमैंट कॉरपोरेशन (आर.टी.डी.सी.) के चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ को सलाह दी है।

- दिव्या मदेरणा ने यह सलाह धारीवाल, जोशी और धर्मेन्द्र राठौड़ को ऐसे समय में दी है, जबकि उन्हें दिए गए कारण बताओ नोटिस की अवधि 6 अक्टूबर को खत्म हो रही है, इन तीनों को 6 अक्टूबर तक आलाकमान को अपना जवाब भेजना है।
- बताया जा रहा है कि, 25 सितम्बर को हुई समानान्तर बैठक में आलाकमान के खिलाफ जो भाषणबाजी हुई थी, उसके वीडियो दिल्ली पहुंच चुके हैं।
- दिव्या मदेरणा की सलाह से एक बात और साफ हो गई है कि, उक्त बैठक के बाद तीनों नेताओं ने झूठी बयानबाजी की थी।

इन तीनों ने 25 सितंबर 2022 को जयपुर में कांग्रेस आलाकमान के पर्यवेक्षकों मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रभारी अजय माकन की ओर से बुलाई गई विधायक दल की बैठक के समानांतर अलग बैठक बुलाई थी और इसके लिए इन्हें पार्टी आलाकमान की ओर से कारण बताओ नोटिस दिया गया है।

दिव्या मदेरणा, जो कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे परसराम मदेरणा की पौत्री हैं, 25 सितंबर के बाद से लगातार धारीवाल और जोशी पर निशाना साध रही हैं। दिव्या मदेरणा द्वारा यह सलाह ऐसे समय में दी गई है, जब कांग्रेस आलाकमान की ओर से इन तीनों को दिए गए नोटिस की अवधि 6 अक्टूबर गुरुवार को समाप्त होने जा रही है और इन्हें तब तक अपना जवाब आलाकमान तक अनिवार्य रुप से भिजवा देना है।

इन तीनों के द्वारा जवाब दिए जाने के बाद ही यह तय होगा कि पार्टी विधायक दल की समानांतर बैठक बुलाए जाने के मामले को लेकर इनके जवाब से कांग्रेस आलाकमान संतुष्ट होता है या नहीं, अगर नहीं तो फिर इन पर क्या कार्यवाही की जाती है, क्योंकि जिस तरह से समानांतर बैठक बुलाई गई थी और फिर उसमें आलाकमान के खिलाफ जिस तरह से भाषणबाजी हुई थी, उसके तमाम वीडियो दिल्ली पहुंच चुके हैं। महत्वपूर्ण यह है कि धारीवाल, जोशी और राठौड़ कारण बताओ नोटिस का क्या जवाब देते हैं।

वैसे दिव्या मदेरणा ने नोटिस का जवाब दिए जाने की अवधि खत्म होने के 1 दिन पहले ही जफर इकबाल के इस शेर के जरिए एक बात तो फिर जाहिर कर दी है कि समानांतर विधायक दल की बैठक बुलाए जाने के बाद इन नेताओं ने झूठ बोला था।

सेना का हैलिकॉप्टर क्रैश, पायलट की मौत

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। अरुणाचल प्रदेश में बुधवार को सेना का चीता हैलिकॉप्टर क्रैश हो गया। खबर है कि हादसे में एक पायलट की मौत हो गई है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि हादसा उस वक्त हुआ, जब हेलिकाप्टर नियमित उड़ान भर रहा था। फिलहाल, सेना की वजह से दुर्घटना का पता लगाया जा रहा है। भारतीय सेना के अधिकारियों ने जानकारी दी है कि हेलिकाप्टर सुबह करीब 10 बजे नियमित उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस घटना में दोनों ही पायलट बुरी तरह घायल हो गए थे। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में पायलट कर्नल सौरभ यादव की इलाज के दौरान मौत हो गई है। वहीं, दल के

- यह हादसा अरुणाचल प्रदेश में हुआ, जहाँ हैलिकॉप्टर अपनी नियमित उड़ान पर था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)